आज कि अव्यक्त मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:31-08-14

बाबा ने आज सारी मुरली मधुबन निवासी भाईओं-बहिनो के लिए कही है. लेकिन हम बहार वाले भी मधुबन वालो से कम नहीं है. तो हमें बाबा ने कही सर्व बातों का अटैंशन देकर स्वयं में धारण करना है जिसे हमारी स्थिति श्रेष्ठ बने.

बाबा ने कही सर्व बातों को हमारे में चेक करते धारण करते चलेंगे.

- हमारे में वृति की भी मधुरता, वाणी की भी मधुरता और हर कर्म में भी सदा मधुरता हो.

- हमारी आत्मा में इच्छा मात्रम अविधा के संस्कार प्रज्वलित हो जिसे सम्बन्ध-सम्पर्क में आने वाली आत्माओं को लगे कि हम सदा तृप्त आत्माये है.

- हमें सदा संकल्प, वाणी अथवा कर्म से एक-दो के सहयोगी बनना ही है.

- बाबा हमारे में ऐसा परिवर्तन देखना चाहते है जो दूसरे देखने वाले, सुनने वाले भी परिवर्तन हो जाये. हम औरो के लिए एक श्रेष्ठ एग्जेम्पुल रुप में हो.

- हमारे हर संकल्प पर भी अटैंशन हो, इसमें अलबेलापन न हो.

- हम विशेष आत्माये है तो हमारे सम्बन्ध-समपर्क में आने वाली आत्माये भी यह महसूस करें की हमारे में कोई विशेषता है.

- हमारा सदा एक लक्ष्य हो कि हमें दाता का बच्चा बन सर्व आत्माओं को देना ही है न कि लेना है. सदा दातापन की भावना रखने से हम सम्पन्न आत्माये बन जायेंगे. दातापन की भावना हमें सदा निर्विघ्न, इच्छा मात्रम अविधा की स्थिति अनुभव करायेगी.

- हमारा लक्ष्य सदा एक बिन्दु की तरफ हो. अन्य कोई बातों को देखते हुए भी नहीं देखें. हमारी नजर सदा एक बिन्दु की तरफ ही हो. कोई भी बातों के विस्तार में न जाकर सार में रहकर बिन्दु रूप स्थिति बनानी है, जिसे हर कर्म में भी फुलस्टोप अर्थात बिन्दु. स्मृति में भी बिन्दु अर्थात बीजरूप स्टेज हो.

- हमारी फ़रिश्ता स्थिति की ऐसी स्टेज हो जिसे हमें साकारी शरीर में भी आकारी रुप अनुभव हो. चलते-फिरते कार्य करते भी दूसरों को हमारा आकारी फ़रिश्ता स्वरूप का अनुभव हो. हम जिस भी स्थान पर जाये हमारा यह फ़रिश्ता रूप ही दिखाई दे.

- हमें स्थूल कोई भी कर्म करते एक ही समय पर कर्म सेवा और मनसा सेवा दोनों सेवा का बैलेन्स रखना है. हमें अभ्यास करना है की कर्म भले बहुत साधारण हो लेकिन हमारी स्थिति ऐसी महान हो जो साधारण काम होते भी साक्षात्कार मूर्त दिखाई दें. कार्य साधारण हो लेकिन स्थिति अति श्रेष्ठ हो.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma bhai on email: a.brahmin.soul@gmail.com .